



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 111]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 21, 1980/चैत्र 1, 1902

No. 111]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 21, 1980/CHAITRA 1, 1902

इस भाग से निम्न पृष्ठ सख्या दी जाती हैं जिससे एक यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1980

का. आ. 200(अ).—राष्ट्रपति द्वारा किया गया निम्न-  
लिखित आदेश सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित  
किया जाता है :—

आदेश

यतः मुझे, नीलम संजिव रेड्डी, भारत के राष्ट्रपति को,  
दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासनिक से एक रिपोर्ट प्राप्त हुई है  
और उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् मेरा यह समाधान  
हो गया है कि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है जिसमें दिल्ली संघ  
राज्य क्षेत्र का प्रशासन, दिल्ली प्रशासन अधिनियम, 1966  
(1966 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "अधिनियम" कहा  
गया है) के उपबन्धों के अनुसार नहीं चलाया जा सकता, और  
उक्त संघ राज्य क्षेत्र के समुचित प्रशासन के लिए ऐसा करना  
आवश्यक और समीचीन है।

अतः अब, अधिनियम की धारा 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का  
प्रयोग करते हुए, मैं इस आदेश द्वारा—

(क) अधिनियम के निम्नलिखित उपबन्धों का प्रवर्तन  
इस तारीख से छह मास की अवधि के लिए निल-  
क्षित करता हूँ अर्थात् :—

धारा 11 ;

धारा 12 में उपधारा (1), उपधारा (3) और उप-  
धारा (4), उपधारा (2) के खण्ड (ख) और  
(ग) तथा उस उपधारा का प्रथम परन्तुक, और  
उपधारा (5) का उत्तरा अंश जिसका सम्बन्ध  
उप-सभापति के धारा 13 से 17 तक, (जिनमें  
दोनों धारा सम्मिलित हैं), धारा 20 से 25 तक  
(जिनमें दोनों धारा सम्मिलित हैं), धारा 27  
और धारा 28 ;

धारा 29 में, उपधारा (1) और उपधारा (2) में  
निम्नलिखित उपबन्ध अर्थात् "चाहे वह उसके  
स्वतंत्रिक में की जाए या अन्यथा" ;

धारा 30 का उत्तरा अंश जिसका सम्बन्ध कार्यपालिका  
परिषद् के सदस्यों से है ; और

(ख) निम्नलिखित आनुषंगिक और पारिणामिक  
उपबन्ध बनाता हूँ जो मुझे पूर्वोक्त अधि के  
दौरान संविधान के अनुच्छेद 239 के अनुसार  
दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र का प्रशासन करने के  
लिए आवश्यक और समीचीन प्रतीत होते हैं,  
अर्थात् :—

(1) अधिनियम की धारा 3 के अधीन गठित  
दिल्ली महानगर परिषद् भंग की जाती है ;

- (2) अधिनियम की धारा 28 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किए गए मुख्य कार्यपालक पार्षद् और अन्य कार्यपालक पार्षद् उस हैसियत से अपने पद पर नहीं रहेंगे।

नीलम संजीव रेड्डी, भारत के राष्ट्रपति

[सं. यू.-11013/3/80-यू.टी.एल.]

एस. वी. शरण, गंयुक्त सचिव

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1980

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## NOTIFICATION

New Delhi, the 21st March, 1980

**S.O. 200(E).**—The following Order made by the President is hereby published for general information:—

## ORDER

Whereas I, Neelam Sanjiva Reddy, President of India, have received a report from the Administrator of the Union territory of Delhi and after considering the report, I am satisfied that a situation has arisen in which the administration of the Union territory of Delhi cannot be carried on in accordance with the provisions of the Delhi Administration Act, 1966 (19 of 1966) (hereinafter referred to as "the Act"), and that for the proper administration of that Union territory, it is necessary and expedient so to do;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 31 of the Act and of all other powers enabling me in that behalf, I hereby —

(a) suspend, for a period of six months from the date of this Order, the operation of the following provisions of the Act, namely:—

section 11;

in section 12, sub-sections (1), (3) and (4), clauses (b) and (c) of sub-section (2) and the first proviso to that sub-section, and so much of sub-section (5) as relates to the salaries and allowances of the Deputy Chairman;

sections 13 to 17 (both inclusive), sections 20 to 23 (both inclusive), section 27 and section 28;

in section 29, sub-section (1), and the following provision, namely, "whether taken in his discretion or otherwise" in sub-section (2);

so much of section 30 as relates to the members of the Executive Council; and

(b) make the following incidental and consequential provisions which appear to me to be necessary and expedient for administering the Union territory of Delhi in accordance with the provisions of article 239 of the Constitution during the aforesaid period, namely:—

(i) the Metropolitan Council of Delhi constituted under section 3 of the Act is hereby dissolved;

(ii) the Chief Executive Councillor and other Executive Councillors appointed under sub-section (1) of section 28 of the Act shall cease to hold office as such.

Sd/

(NEELAM SANJIVA REDDY)

PRESIDENT OF INDIA

New Delhi,  
the 21st March, 1980.

[No. U-11013/3/80-UTL]

S. V. SHARAN, Jt. Secy.